Skill Development Programme

For Answer Writing

Ethics (Model Answer)

DATE : 16 Aug, 2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- स्पष्ट करें कि लोक प्रशासन में आदेश का अनुपालन वैधानिक रूप से ही नहीं, बल्कि नैतिक रूप से भी आवश्यक आचरण है। (150 शब्द, 10 अंक)

Clarify that compliance with the order in public administration is not only statutory but also ethically required conduct. (150 Words, 10 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

लोक प्रशासन में आदेश का अनुपालन एक आवश्यक शर्त है, ऐसे आदेश के अनुपालन से उत्पन्न नैतिक विषय की जिम्मेदार कर्ता को माना जाए या अभिकर्ता को, यह हमेशा एक विवाद का विषय रहा है। जिसे निम्न तर्कों के माध्यम से समझा जा सकता है।

मुख्य विषय वस्तु-

- प्रशासनिक स्तर पर कर्ता तथा अभिकर्ता नामक दो महत्वपूर्ण कड़ी होती है, जिसे सरल शब्दों में क्रमशः आदेशक तथा आदेशपालक के रूप में समझा जा सकता है।
- प्रशासनिक स्तर पर अगर आदेशों का अनुपालन यथावत किया जाता है, तो ऐसी परिस्थिति में कर्ता और अभिकर्ता की पहचान संदिग्ध हो जाता है।
- कर्ता वह होता है, जो अपने विवेक का प्रयोग कर नियम विनियम बनाता है तथा आदेशों को प्रेषित करता है।
- ऐसे में ज्यादातर परिस्थितियों में सिविल सेवक अभिकर्ता की भूमिका में होते हैं। दूसरे शब्दों में वह आदेश पालक होते हैं।
- ऐसे में प्रश्न उठता है कि सिविल सेवक के आदेश पालन से उत्पन्न नैतिक प्रश्न के लिए नैतिक उत्तरदायित्व किसका है?
- चूँकि यहाँ आदेश का अनुपालन वैधानिक तथा नैतिक रूप से आवश्यक आचरण है। अतः नैतिक प्रश्न का जिम्मेदार कर्ता है।
- परन्तु यदि आचरण करने वाले को आचरण के अनैतिक परिणाम की समझ है और विकल्प भी है तो ऐसे में अभिकर्ता को भौतिक रूप से उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।
- अंग्रेजी का शब्द Responsibility दो शब्द Respond और Ability से मिलकर बना है। अतः अगर व्यक्ति में Respond करने की Ability है तो उसे नैतिक रूप से उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।
- दूसरे शब्दों में यहा कहा जा सकता है कि अभिकर्ता अनैतिक प्रभाव के नैतिक रूप से उत्तरदायी है। यदि उसके पास विकल्प मौजूद था, चाहे वह विधि अनुरूप सरकारी आदेशों का पालन ही क्यों न कर रहा हो।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *